

141

(To be substituted for the letter bearing same No. and date)

क्रमांक: 6/13/93-2जी0एस0 I

प्रेषक

मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार।

सेवा में

1. सभी विभागाध्यक्ष: आयुक्त, अम्बाला, हिसार, रोहतक एवं मुहनाब मण्डल।
2. सभी उपायुक्त एवं उपमंडल अधिकारी (नागरिक)
3. रजिस्ट्रार, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चण्डीगढ़।

दिनांक, चण्डीगढ़ 18 मार्च, 1994

विषय:- वर्कचार्ज/कंजुअल/दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करने बारे नीति।

महोदय,

मुझे उपरोक्त विषय पर आपका ध्यान इस विभाग के परिपत्र क्रमांक 6/4/90-2जी0एस0 I दिनांक 27 जिस द्वारा 31-3-93 को पांच वर्ष की दैनिक वेतन सर सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को विधिवत करने के जारी किए गये थे, की ओर दिलाने का निर्देश हुआ है। कुछ समय से सरकार के यह विचारधारा कि वेतन के दौरान दैनिक वेतन पर की गई सेवा में कितना ब्रेक होना चाहिए तथा क्या जिन कर्मचारियों ने पृथक-पृथक कार्य किया हो जिनके पद नाम भिन्न-भिन्न हों और अन्य शर्तें पूरी करते हों, उनको नियमित किया जाना है। मैं सरकार ने विचार करते हुए अब यह निर्णय लिया है कि जिन दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने दिनांक 31-3-93 पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो व दिनांक 31-3-93 को सेवा में हों और प्रत्येक वर्ष में 240 दिन सेवा उन्हें नियमित कर दिया जाए, परन्तु वर्ष में किसी एक ही समय पर 30 दिन से अधिक ब्रेक नहीं होना चाहिए तक पृथक-पृथक पदों पर भिन्न भिन्न पद नामों से कार्य करने वाले कर्मचारियों को नियमित करने का प्रश्न है, मैं यह निर्णय लिया गया है कि यदि ऐसे कर्मचारी अन्य शर्तें पूरी करते हों और एक ही विभाग में भिन्न-भिन्न पद वाले पृथक-पृथक पदों पर सेवा की हो तो उन्हें नियमित कर दिया जाए।

भवदीया,

हस्ताक्षर

संयुक्त सचिव, सामान्य प्रशासन

कृते: मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार

एक प्रति हरियाणा सरकार के सभी वित्तायुक्त/आयुक्त एवं सचिव को सूचनार्थ एवं आगामी आवश्यकता के लिये प्रेषित की जाती है।

हस्ताक्षर

संयुक्त सचिव, सामान्य प्रशासन

कृते: मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार